

प्रिय भाईयों,

कृपाया हमारे अप्रिल महीने की संदेश-पत्र कुछ दिन पहले ही ग्रहण किजीएगा क्योंकि लेखक कल अफ्रिका रवाना हो रहे हैं । मै, पावल सेवाकाई दल के साथ छः सप्ताह के लिय बाहर हूंगा (वापसी 8 मई) । कोई भी आकस्मिक ईमेल मुझे भेज दिया जाएगा नही तो निकोलस जेक्शन, हमारे सहायाक आप को जवाब देंगे ।

**पावल**

**REVIVAL NEWS**

**From Revival Ministries Australia**

**P.O. Box 2718 BC TOOWOOMBA Q4350 Australia**

Phone: 61-7-46130633; e-mail: rma@revivalministries.org.au

Website: www.revivalministries.org.au

**\*\*\*\* APRIL 2007 \*\*\* APRIL 2007 \*\*\* APRIL 2007 \*\*\* APRIL 2007 \*\*\*\***

**यह समय है यीशु को राजा बनाना !**

इतिहास की पुस्तक में हम सिखते हैं कि किस प्रकार दाऊद सारा इस्राएल का राजा बना । इस घटना का खास कारण था कि **समय को पहचानते थे, और इस्साकारियों में से जो समय को पहचानते थे, कि इस्राएल को क्या करना उचित है, उनके प्रधान दो सौ थे, और उनके सब भाई उनको आज्ञा में रहते थे** । इतिहास 12 : 32 । इस आयत का संदर्भ है, कि शाऊल के मृत्यु के बाद , दाऊद यहूदा का राजा बनाया गया, जो उसका ही वंश था । परन्तु शाऊल के पुत्रों में से एक ने शाऊल के स्थान मे इस्राएल की राज्य सम्भाल ली थी । यह परमेश्वर की सम्पूर्ण इच्छा नही थी । परमेश्वर ने शाऊल के ऊपर न्याय बयान किया और दाऊद को राजा होने के लिए अभिषेक किया । अब तक समुएल द्वारा दाऊद को राजा के रूप मे अभिषेक किए जाने का 13 साल बित चुका था । यहूदा का राजा बना हुआ सात साल बित चुका था , लेकिन अब दाऊद के लिए समय था कि सारा इस्राएल के घराने के लिए राजा बनना ।

यह समय महान परिवर्तन का था, एक ऐतिहासिक समय, इस्राएल देश के इतिहास में परमेश्वर का इच्छा पूरा होने का एक विशेष कार्य था । यह समय था परमेश्वर का राज्य के लिए इस्राएल राज्य के लिए दाऊद के ज़रिए पूरा होना ।

**यीशु कलीसिया का याजक है**

यीशु की कलीसिया की याजकपन प्रगट है निवेदन, प्रार्थना, आरधना, चंगाई द्वारा ; कई अच्छे समय प्रभु के उपस्तिथि में अनुभव किए हैं । परन्तु **इब्रानियों 3:1** हमें बताती है कि **उस प्रेरित और महायाजक यीशु पर जिसे हम अंगिकार करते हैं ध्यान करो** । 1,800 सालों से यीशु कलीसिया और विश्वासियों के याजक बना हुआ है , उद्धार , क्षमापन और शुद्धीकरण देते हुए लेकिन हरदम कलीसिया की चार दिवारी भितर ही छुपा रहा ।

## अब वह राजा के रूप में जाना जाएगा

जब हम यीशु को प्रेरित स्वीकार करते हैं तब हम राजकीय अभिषेक के प्रकाश में प्रवेश करते हैं । यीशु **मलिकिसिदक की रीति पर युगानायुग याजक है** । उत्पत्ति 14 : 18-20 और **इब्रानियों 7: 1-10** में हमें मलिकिसिदक की परिचय मिलती हैं , धार्मिकता का राजा और शान्ति का राजा और अति महान परमेश्वर का याजक । उत्पत्ति की पुस्तक से लेकर प्रकाशितवाक्य तक, हमें यीशु राजा और एक राजकीय याजक के रूप में जानकारी है ।

## वह राजकीय याजक है

**क्योंकि उसके विषय में यह गवाही दी गई है, कि तू मलिकिसिदक की रीति पर युगानायुग याजक है** **इब्रानियों 7: 17** । उत्पत्ति 14: 18 में मेल्कीसेदेक दो गुणा राजा साथ ही साथ **परमप्रधान का याजक** भी है । इसलिए यीशु युगानायुग राजकीय याजक है । **जिस का न पिता, न माता, न वंशावली है, जिस के न दिनों का आदि है और न जीवन का अन्त है ; परन्तु परमेश्वर के पुत्र के स्वरूप ठहरा । अब इस पर ध्यान करो कि यह कैसा महान था जिस को कुलपति इब्राहिम ने अच्छे से अच्छे माल की लूट का दसवां अंश दिया ।** (इब्रानियों 7 : 3- 4)

## यीशु, दाऊद का पुत्र

मूसा के व्यवस्था के निचे याजकीय और राजकीय सेवाकाई के बीच साफ-साफ अन्तर है । उज्जियाह राजा ने राजकीय सेवाकाई में मन्दिर के अन्दर अपराध की और फलस्वरूप कोड़ से ग्रसित हुआ (2 **इतिहास** 26: 16-21) । परमेश्वर का साफ-साफ बनाया हुआ नियम का आदर नहीं किया । राजा दाऊद के ऊपर एक विशेष अनुग्रह था एक भविष्यद्वक्ता , याजक और राजा के सेवाकाईयों को निभाने के लिए, मसीह की रीति पर परन्तु पहला सेवाकाई था एक राजा का । दाऊद का सिंहासन पर निरन्तर रहनेवाला यीशु ही है । उस समय का दाऊद का सिंहासन और इस्राएल राज्य यीशु एक राजा के तौर पर राज्य और शासन को अनन्त के लिए प्रतिष्ठ करता है और परमेश्वर का राज्य पूर्ण रूप से पृथ्वी पर स्थापित होगी ।

## याजकें बलिदान चढ़ाएगा और राजाएँ राज्य करने का अधिकार रखेंगे

व्यवस्था के अन्तर्गत जब राजाओं ने परमेश्वर का दिया हुआ उनके सेवाकाई के सीमा में जब कदम रखा और बलिदान चढ़ाया तो वे न्याय किया गया (1 **शमुएल** 13) । शमुएल बलिदान चढ़ाने के लिए अभिषिक्त थे ; उनको अधिकार चलाने और युद्ध करने के लिए अभिषेक किया गया था । जैसे ही जवान भविष्यद्वक्ता ने येहू को इस्राएल का राजा अभिषेक किया तो सेना के कप्तानों ने तुरन्त उसके राजपद को स्वीकार किया (2 **राजा** 9: 4-13) ।

## याजक को शासक (राजा) के रूप में मुकुट पहनाया जाएगा

उनके हाथ से सोना ले, और मुकुट बनाकर उन्हें यहोसादाक के पुत्र यहोशू महायाजक के सिर पर रख; और उस से यह कह, सेनाओं का यहोवा यों कहता है, उस पुरुष को देख जिसका नाम साख है, वह अपनी ही स्थान में उगकर यहोवा के मन्दिर को बनाएगा। वही यहोवा के मन्दिर को बनाएगा, और महीमा पाएगा, और अपनी सिंहासन पर विराजमान होकर प्रभुता करेगा। और उसके सिंहासन के पास एक याजक भी रहेगा, और दोनों के बीच मेल की सम्पत्ति होगी। (जकर्याह 6: 11-13)

यहाँ पर महायाजक एक राजा घोषित किया गया है। याजक को प्रभु का मन्दिर बनाना, एक प्रेरितिय कार्य और यश पाने के लिए। राजा साधारणतः यश पाता है। शान राजाओं का रहता है। यीशु याजक और राजा है और वह कलीसिया का निर्माण कर रहा है। जो परमेश्वर का मन्दिर है, और वह यश रखता है। वह नहीं चाहता है कि हम केवल याजक के रूप में सेवाकाई करे बल्कि राजाओं के समान उसके साथ राज्य को शासन करें, और फिर यश फैलाए। उसने प्रेरितों को चुना कि संतो को परमेश्वर के घराना में अगुवाई करें, उसके बुलाहट को पूरा करें कि प्रभु की मन्दिर का निर्माण हों। प्रभु का घर एक राजकीय कार्य है: सुलैमान ही था जिसने मन्दिर का निर्माण किया। जेरूबाबेल वह गर्वनर था जिसने मन्दिर पुनःनिर्माण किया; साधारणतः यह एक याजकीय कार्य नहीं है।

पुराने नियम में जकर्याह एक अन्तिम भविष्यद्वक्ता है, और वह एक परिवर्तन के विषय में कहता है जो व्यवस्था के निचे एक याजक और राजा के बीच के अन्तर है जो मल्किसिदेक के रीति पर पहले का याजकपन पुनः निर्माण करने के लिए।

यीशु मसीह में, मल्किसिदेक की रीति पर पूरी तौर से स्थापित की गई है और अब संतजन उनकी मिरास में प्रवेश कर रहे हैं राजाएँ बनकर राज्य और शासन करने के लिए।

**यीशु ने हमें राजा और याजक बनाया है।**

और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुएों में से जी उठाने वालों में पहीलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का हाकीम है, तुम्हें अनुग्रह और शांति मिलती रहे: जो हमसे प्रेम रखता है और जिसने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिए याजक भी बना दिया; उसी की महीमा और पराक्रम युगानायुग रहें। आमीन / (प्रकाशितवाक्य 1: 5-6)।

**हमें राजा के समान राज्य करना है**

हम **याजकों का समाज** है 1पतरस 2: 9। उसका मतलब है हम राजा और याजक हैं। प्रभु चाहता है कि आज हमारे हाथों को राजा पद में, शासक के पद में मजबुत करें। एक राजकीय याजक का अर्थ यह नहीं कि राजाओं का सेवा करनेवाले परन्तु मल्किसिदेक की रीति पर याजकपन जैसा हमारे प्रभु यीशु का है राजकीय याजक। मल्किसिदेक में, अनन्त क्रम (इब्रानियों 7 :3) प्रदर्शित है। यीशु मसीह में, यह क्रम कलीसिया के लिए लाया गया है। यह बात नहीं कि कुछ लोग याजक हैं प्रभु की सेवाकाई के लिए, और कुछ लोग राजा हैं समाज में बृहत रूप में शासन करने के लिए, नहीं!

हमें याजकों का समाज बनाया गया है मल्लिसिदेक के रीति पर  
जिस में **दोनों पदों में शांति संयम रहें** ।

### **सारे संतगण राजा और याजक है**

कुछ लोग गलत रीति से सिखाते हैं कि एक भिन्नता है वे लोग में जो याजक के रूप में सेवाकाई करते हैं , सलाह देते हुए कि काम पादरी वर्ग के लोगों का है, और जो व्यापार, राजनीति इत्यादि काम करते हैं, वे लोग राजा है । वे सब वचनानुसार नहीं हैं जो वह सब दावा करते हैं और यह गलत शिक्षा याजकपन का क्रम को समझाते हैं जो वचन साफ-साफ समझाया गया है, मल्लिसिदेक की रीति पर याजकपन के बाद उत्थान होनेवाला वचनानुसार एक ही है, वह है - हारून का याजकपन । मल्लिसिदेक की रीति पर अब साफ-साफ सफलता पाई है हारून की रीति ने ।

दूसरी धारना कुछ बाईबल अनुवाद अनुसार प्रसिद्ध हो चुका है जो **प्रकाशितवाक्य 1: 6** में गलत प्रयोग किया गया है ; कहने के लिए यीशु ने हमें **याजकों का एक समाज** , जो शाही भूमिका से संतो को धोका में रखता है जिसे शासन और राज्य करना चाहिए । याजकों का समाज सल्लाह देता है कि हर नागरिक राज्य में याजक हैं जो एक राजा द्वारा शासन किया जाता है ; इसका नतीजा यही होता है कि केवल संतो को सेवाकाई है की राजा का सेवाकाई एक याजक के समान करना । वचन का सत्यता से यह दूर है और पूरी तौर से गलत अगुवाई किया गया है परमेश्वर की मनसा समझने के लिए जो वह संतों को देना चाहता है जिसे अभी मसीह के साथ राज्य करते और शासन करते हुए पाए जाने चाहिए ।

यह नई नियम के संतों का शाही स्वभाव है जो बताता है और सच्चाई को दिखाता है कि संतजन पृथ्वी में उत्तराधिकारी होंगे । क्योंकि कलीसिया ऐतिहासिक रीति में यीशु के याजकीय सेवाकाई में ध्यान दिया है , कलीसिया एक भवन के रूप में देखा गया है जहाँ याजकीय सेवाकाई होती है ; प्रार्थना , आरधना इत्यादि और वचन के सेवाकाई में व्यक्तिगत हौसला देने के लिए संदेश दी जाती है लोगों को सहायता मिले यीशु के साथ चलने के लिए तौभी जब हमें सिखाना आरम्भ होता है यीशु का सच्चा स्वभाव मसीह के रूप में (वायदा किया गया अभिषिक्त राजा ) जो दाऊद के सिंहसान पर बैठा ; **वरन हम परमेश्वर के झूठे ठहरे ; क्योंकि हम ने परमेश्वर के विषय में यह गवाही दी , कि उसने मसीह को जिला दिया यद्यपि नहीं जिलाया , यदि मरे हुए नहीं जी उठते** (1 कुरिन्थियों 15: 25) । परमेश्वर हमें पुत्रत्व के अधिकार में आगे बढ़ाएगा, संतों के समाज के रूप में चलने के लिए (जो कोई राज्य प्राप्त करेंगे **दानिएल 7: 18 और 27** ) । पूरा होने का समय अब है ! यह वह पीड़ी है जिससे परमेश्वर पुत्रत्व में बढ़ाता है, भूमि में प्रवेश करने के लिए और उसके **बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएँ** (2 पतरस 1: 4) के ऊपर अधिकार करने के लिए !

### **हमें राजा और याजक बनाया गया**

राजाएँ -----	सारे संतो -----	याजकें
मुकुट पहनाया गया -----	दोनों अभिषेक किया गया-----	नियुक्त किया गया
अधिकार के वारिस		पवित्र स्थान में सेवकें

सिंहसान में बैठे है  
आज्ञा देते है  
पद्धति तैयार करते है  
शासन करते है  
महीमा लाते है

बलिदान चढ़ाते है  
बिनती चढ़ाते है  
प्रर्थना करते है  
सेवाकाई करते है  
पवित्रताई में चलते है

अधिकतर ये शब्द **अपनी मीरास में चले** पावल गेलिगैन द्वारा लिखित नामक पुस्तक के सातवीं अध्याय , दुसरी संस्करण, पृष्ठ 114-119 से लिया गया है ।

### विदेशी यात्राएं

**भारत** - ब्रुस और जीन मेनिंग उत्तर भारत में अप्रिल 3 तक सेवाकाई को जारी रखेंगे ।

**अफ्रिका** - मार्च 29 से 7 मई तक - पावल गेलिगैन और जेनेट बार्टन और राबर्ट पीटकीन 29 तारीख को रवाना होंगे पूर्व और मध्य अफ्रिका के लिए ; मरियम और रोधा 30 को रवाना होंगे।

मार्च 31 - अप्रिल 7 तक नाईरोबी, 8 - 11 बूरन्डी, 12- 17 रवांडा

18- 21 काम्पला , उगंडा , 22 - 3 मई पश्चिम केनया

नाईरोबी को वापस 3 मई, वापसी 5 मई ।

मरियम और रोधा टर्स पश्चिम केनया में ही 6 महीनों के लिए रहेंगे अनाथालय में सेवा करते हुए ।

**भारत / पाकिस्तान - मई** - पास्टर पीटर डे ब्रेसक और दल विशाखापट्टनम करेंगे फिर लाहोर और फाईसालाबाद, पाकिस्तान में सेवाकाई करेंगे ।

**पश्चिम अफ्रिका** - सितम्बर के अंत में पावल और दल दौरा करने की सम्भावना है ।

\*\*\*\*\*

### अंतरराष्ट्रीय तालीम 2007

दो सप्ताह की पाठशाला साथ ही दो सप्ताह की परामर्श और प्रदेश भ्रमण

**सोमवार 25 से शनिवार 21 जुलाई तक**

पास्टर्स, नायकों और मसीह की देह के सेवा मे बुलाए गए लोंग

**बच्चों और 13 साल तक के जवानों के लिए**

सोमवार 2 जुलाई से शुक्रवार 6 तक

**आयोजन स्थान -SHILOH CENTRE**

**19 Russell St TOOWOOMBA, Q4350  
AUSTRALIA**

For further information contact us on email;  
postal address PO Box 2718 BC , Toowoomba Q 4350

Revival Ministries Australia Ltd. ACN 082 081 098

**Email:** rma@revivalministries.org.au

**Web:** [www.revivalministries.org.au](http://www.revivalministries.org.au)